पब्लिक कोर्ट सोशल डिस्टेंस मेंटेन करने आधे स्टूडेंट क्लास में और आधे घर से करेंगे पढ़ाई

IIM: आज से ही सेकंड इयर की ऑनलाइन क्लास

डॉ. भरत भास्कर
डायरेक्टर, आईआईएम

कोरोना काल में सभी कॉलेज और विश्वविद्यालय बंद हैं। वहीं, इनके खुलने को लेकर अब भी संशय बरकरार है। ऐसे में आईआईएम में भी पढ़ाई बाधित हो रही है। ऐसे ही कुछ सवाल डीबी स्टार के पाठकों ने भेजे हैं, जिनका जवाब आईआईएम के डायरेक्टर डॉ भरत भास्कर दे रहे हैं।

आर्थिक मंदी से निपटने डिजिटल इकोनॉमी पर करें फोकस : डायरेक्टर आईआईएम

सवालः कोरोना काल में नए सेशन को लेकर किस प्रकार की व्यवस्थाएं की जा रही हैं?
जवाबः हमने अभी सेकंड इयर के स्टूडेंट्स के लिए ऑनलाइन समर प्रेजेंटेशन समेत अन्य चीजों को लेकर ट्रायल किया है। जिसमें सफल रहे। अब सोमवार से इनकी ऑनलाइन क्लासेस शुरू की जाएंगी। साथ ही क्लासेस को कैमरा युक्त किया जाएगा, ताकि स्टूडेंट फिजिकली नहीं बल्कि डिजिटली क्लास अटेंड कर सकें।

सवालः नए सेशन में क्या ऑनलाइन क्लासेस पर जोर दिया जाएगा या फिर स्टूडेंट्स की शिफ्ट वाइज पढ़ाई कराई जाएगी?
जवाबः फर्स्ट इयर के बच्चों की प्रवेश प्रक्रिया की जा रही है। इनकी भी पढ़ाई ऑनलाइन करवाई जाएगी। साथ ही जैसे शासन के निर्देश होंगे, उसी हिसाब से क्लासेस लगाएंगे। हां सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए आधे बच्चे क्लास में आएंगे और बाकी हॉस्टल या फिर घर से पढ़ाई कर सकेंगे।

सवालः एनआईआरएफ की रैंकिंग 19वें स्थान पर रही, हम क्यों और आगे नहीं बढ़ रहे हैं?
जवाबः देश के पांच बड़े और पुराने आईआईएम के हम लगभग बराबर हैं। लेकिन परसेप्शन, पर स्टूडेंट कॉस्ट के साथ पेपर्स का रेफर भी कम है। इस दिशा में हम आगे भी काम कर रहे हैं और उम्मीद है, कि हम अगली बार 15वें स्थान तक तो आ ही जाएंगे। लेकिन और आगे बढ़ने में कुछ समय लगेगा।

सवालः अपने यहां वर्तमान परिस्थितियों से निपटने के क्या व्यवस्था की जा रही है?
जवाबः वर्तमान में हम डिजिटल इकोनॉमी पर फोकस कर रहे हैं। जिसके लिए प्लेसमेंट एजेंसियों और समर इंटर्नशिप में भी काम कर रहे हैं। इस बार 264 स्टूडेंट्स में सिर्फ 10 के इंटर्नशिप ही रिजेक्ट हुए हैं। जिनके इंतजाम भी किए एग हैं।

सवालः कोरोना के कारण आई विश्वभर में आर्थिक मंदी के दौर में छत्तीसगढ़ किस स्थिति किस तरह की नजर आ रही है?
जवाबः नो डाउट, इसका प्रभाव छत्तीसगढ़ पर पड़ा है। लेकिन यहां कोर इंडस्ट्रीज हैं। साथ ही यहां पर्याप्त मात्रा में खनिज पदार्थ उपलब्ध हैं। ऐसे में भविष्य में मांग बढ़ेगी और उत्पादन भी इसी रफ्तार से बढ़ेगा, तो जैसे ही परिस्थितियां सामान्य होंगी, स्थिति नियंत्रण में आ जाएगी।

सवालः इससे निपटने के लिए किस तरह के इनीशिएटिव शासन को लेने चाहिए?
जवाबः इसके केंद्र समेत राज्य सरकार को भी इंफ्रास्ट्रक्चर में अधिक निवेश करना होगा। साथ ही प्रोडक्शन और निर्माण पर भी फोकस करना होगा। जिससे आर्थिक स्थिति को और भी रफ्तार मिलेगी।

Dainik Bhasker, 13th July 2020,p.1 (DB Star).jpg